

ग. ३. १. १.

वि॥ गाल॥ चकनाल॥ गजजिनउ

गुमवृकवमिद्रुशलप्रिभूलाः वामखक

यावायुलिगुमजा (माविता २ मावयिनीनायाः)

॥ ॥ यामवृकमूडवामहा (धधविद्याउनवमिद्रु)

दिगकनकारवचउमूरकमिद्रुविकवावमूरधना

वचाययियावः काविनायि विमूमूडा २ विधक

ASHA ARCHIVES

2859

मिनाकनयनलवमूरधना

मिनाकनयनलवमूरधना

मिनाकनयनलवमूरधना

मिनाकनयनलवमूरधना

मिनाकनयनलवमूरधना

मिनाकनयनलवमूरधना

मननं ॥ ॐ ॥ वाग ॥ कामा ॥ श्रुविज संतवरा ॥ तन संजा विह
मननं न धना ॥ ॐ ॥ वाग ॥ कामा ॥ श्रुविज संतवरा ॥ तन संजा विह
मिथ्या विव कश्चिदं ॥ मान तय तव तय हन ॥ ॐ ॥ वाग ॥ कामा ॥ श्रुविज संतवरा ॥ तन संजा विह
युधि संविद विवध वा ॥ ॐ ॥ वाग ॥ कामा ॥ श्रुविज संतवरा ॥ तन संजा विह
॥ ॐ ॥ वाग ॥ कामा ॥ श्रुविज संतवरा ॥ तन संजा विह
वा ॥ नमामिथी चक सन्व वा ॥ ॐ ॥ वाग ॥ कामा ॥ श्रुविज संतवरा ॥ तन संजा विह
आगी गकुलिसा स्तान यमि वमना ह ॥ ॐ ॥ वाग ॥ कामा ॥ श्रुविज संतवरा ॥ तन संजा विह

[illegible]

निष्ठा नादि २

हः मध्वगगकालिहृमयनादनूपी २ समित्रयनिमः लालिगार्धममिनः
नननिनसूनाः पप्रहूलनूपी ॥ ३ ॥ अंनममिदवी श्रीवज्रविनामिनी
किरुवहनवधरवममहानदवी २ अदियानः पूर्वगिनिविकामनूपः श्रीहनः
नुविमुद्धमकुलनृत्त्ययंगि ॥ ॥ वसुदलसंनानूहः वनधर्मचक्र
पाठमदलः संलगयकं २ द्वाविभनदलकमलः महासखचक्रः इका
ननूपः श्रीहनूकनाथं ॥ ॥ दहयिजिनविशादिः किः गयारुदनीः ग

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वसिष्ठ ध्यायानादनुष्ठी २ पीथादिदण्डमि. सगणपूजनी. जिनहानदायनी
वीनधनी ॥ **॥** दर्प नयनि विम्बु जलज चंदापम. अहिनी हि सननव
जदवीरु जन्मजन्ममावृत्तं पायननक्ष. इर्गकिनाजनभाकपदाता ॥ **॥**
॥ यागगन्धर्वनि ॥ **॥** गोकुदहन. पक्ष हानखनूपं २ पक्षमृगवस. पक्षान्नि
पूजिता ॥ **॥** ६२ ॥ **॥** तुक्कदवीवनिनाय शिखरवसवीना २ विमलनवायक समया
गानंद ॥ **॥** वीनवीनधन. सहजानंद २ कलकमलासनः हृदया नंद ॥

शारदागनी

पक्षवृद्धपक्षस्वधस्वनूपं २ दवास्वननन. पुमदिगहृदया ॥ **॥** उं आ ४ ४ ४ ४ ४
खंखधनकनिर्ग २ उमनूयधधनि. विनमानद ॥ **॥** ६३ ॥ **॥** नागकहृदि
षट्पागिनीदवी. शिखरवसवापिनी २ विग्रमानद्रुदृष्य विनागिनी ॥
॥ ६४ ॥ **॥** नमामि २ दवीवीवजवावा हो श्मास्त्रि सिद्धि दायनीः जगन्जन
नी ॥ **॥** पूर्वदलगन. नकवपूगि २ ६० ॥ **॥** न. यामिनि २ ६१ ॥ **॥** नील
वदनी ॥ **॥** वायूदामाहिनी दवी. २ ६२ ॥ **॥** पश्चिमसवा

卷之六

अविद्या ७

[illegible]

शुभधनवनाटकसंपन्नदिल. इतिगवउयकाकाना ॥ अहि
 नासं. सगगुनवानं. कुनागवदुदि। गनरावरा वं २३ नममव वं
 एयवन्धनदुदि। गधलरुथमान्. अक्रियसंराव ॥ २४ ॥ मागल
 लि। ॥ अनुरुनगथना. वंकायसंरव. नत्तवृपचिंनिगः विचिग क
 लनी २३ अ४ ६ कायवजा मरु के मूदकसफ स१ गधिम हानमृन्म
 य ॥ ३५ ॥ वडा मृन्म न संवाधिद लदायकः सर्वजिनव्यापिक. सहज

ಶ್ರೀ ಶಿವಶಾಸ್ತ್ರಂ | ಶಿವಶಾಸ್ತ್ರಂ | ಶಿವಶಾಸ್ತ್ರಂ | ಶಿವಶಾಸ್ತ್ರಂ

विष्णु
१

॥ साहियचक्रमन्त्र ॥ ॥ मायादेहबीजं गु ॥ साहियकनूलसत्त्वमर्कं ॥ ॥
भाग-~~सायमाना~~ ॥ विष्णुनविषाणि मधुलमाजः स्थिमिमानदमन्त्र
विधवा ॥ वज्रवा नाहि आलिंगमसम्बन्धना नानानस्मि महाकला ॥ ॐ ॥
~~ननाईकं ननाईकं २ ननाईकं ननाईकं~~ ॥ नीलवर्णचक्रवर्णमिमुखः शि
नयाः पद्ममानंदमन्त्रविधवाः हाजरुनक्षत्रसाहिता ॥ वज्रध्वज
चक्र उमन्त्रवर्णगः विष्णुमानंदमन्त्रविधवा ॥ कनटिकपालध्वजः
प्राणविष्णुलाः वक्रगिलधवाः व्याघ्रचर्मकहिवस्थिता ॥ दिगी

विष्णु
२

विदिगं काकाभादि यमजाकिनीदेवीः सहजानंदमन्त्रविधवा ॥ नमामि ॥
जीवजसम्बन्धः सगुणवर्णभावाधिता ॥ ॐ ॥ ॥ सायमाना ॥
विष्णु उमन्त्रविधवाः नीलवर्णः विष्णुमधुलमाजः ॥ विष्णुवज्रः अक्षयचक्र
यमकूटधवाः हाजरुनक्षत्रसाहिता ॥ ॐ ॥ ~~ननाईकं ननाईकं २ ननाईकं ननाईकं~~
॥ वज्रवा नाहि आलिंगमसम्बन्धना नानानस्मि महाकला ॥ ॐ ॥
सादिगं विदिगं काकाभादि यमजाकिनीदेवी ॥ जीवजदेवी च नक्षत्रपादक
नः सगुणवर्णगिलगकधनिया ॥ गवति जीवत्ववज्रकूलिगः ऊमणीलम

[illegible]

लावजः कालियाउत्रः सत्गुणवन्धनः नञ्जावाधः सत्तयानन्दः कालियालम्भ
 धलसम्भनवञ्जवाहिः ॥ ३५ ॥ वागकर्मादिः ॥ छिहंजः शोपायिः ॥
 मनीदहकवादिः ॥ कमलकलिलैः ॥ यक्षकनहं विद्यायः ॥ ३६ ॥ यागिनीउ
 क्रविनूयः ॥ हनजिवयिः ॥ गावामूहः ॥ वृविद्यायः ॥ कमलसंघीवयीः ॥
 कनकवहः ॥ यागिनीः ॥ नपनकायिः ॥ मलिकूलवहियानः ॥ उडियानसमानः ॥
 ॥ सावप्रनथायः ॥ कयियायः ॥ वरसूर्यइयिः ॥ पद्मनरनाथः ॥
 रुचिरः ॥ गानिः ॥ हमकूडः ॥ नवीनाः ॥ नवयनाः ॥ नवीनाः ॥ उलयनवीनाः ॥

रागविस्मयः तदिता नवयिया. पवनध्वजा २ अलंसूह. दानकासलरुता ॥
 ॥ ॐ ॥ धानइसा नरुववि संतनलिता ॥ अखयनिनेऊन. माकलैरुता ॥
 दिनकनमधुलमध्यगता २ कनूत मृगनसवसलता ॥ ॥ दग्धा जालिवा
 य. प्रमिनिहका २ दवा मूननन. गिलनमिता ॥ ॥ गा अकि पवनपदी
 गुरुका २ वज्रवा नाहि. कुंरु गिलनमिता ॥ ॥ ॐ ॥ नागपवन ॥
 जयवाहलि. हनू अघनयि २ समयनसनासत. ऊगउधनी ॥ ॐ ॥ व
 हगवगी पाइ कमल महिमधुल नोपून नूलेजनं काना २ हाउरननवि
 रूषिगमखलघ ६ उलाता २ गिनिठिनी धिउनयकि धिनयना ॥ ॥

अथवावृत्ति २५

कनमिखलनः गीधनूडनन गिलमाला २ कृकिखइगवन. मकूटक ॥
 ॥ गिनससिइननागः कऊ लरूना २ कलूविकर्पूनः गामूनसखः
 सावा ॥ ॥ रनयिस्सनवऊ २ वाहलिदासा २ शीवऊदवीपणोदन. शी
 हनूअवायाम ॥ ॥ ॐ ॥ नागपवन ॥ वकिरूतु लकलि नावक मखल
 रूखिता. गिधेनूडनन सिनमाला २ गीलवकि वकि लेया हस्रविहगः
 गममकना डिबधूलि नाया ॥ ॐ ॥ ॥ परसली हनूअ. मानूकोला यो. हाग
 नाथं शी सन्यन नाया ॥ ॥ वऊकनाटक हाथध्रविद्याः कलूकियाउ
 खनो ग २ संपूरया गिनी कमल. विहासि गान. महासख. मानि उणमद

वाकिरूतु २५

कुंभकर्तृ १६

॥ वज्रवाग्राही आलिंगनः सम्पन्नः सारथी लक्ष्मिविविहृतः ॥ गङ्गा
वाहलिः कोलिलेयाः जीउ किरेन ॥ अथ वृत्तन स्तनसः ससः ॥ ग ॥
॥ सहजसंस्तुतिः लेयाः गमवकि कर्कषान् श्रीहन्ता चयनसुभाद
॥ अहा आलिंगनसि उक्ति हन्ताः विना सयिषु न्यकरमा ॥ ॥ ॥ ॥
॥ गङ्गा नवा ॥ अयं अयं वाहलिः सयनः गङ्गा कविः ॥ अथ यदृष्टय
यसंस्तुतिनी ॥ ॥ ॥ अथ अथ अनेहः कृकाने नाययिः माननिनवा
नृति ॥ ॥ अथ पनयायिः नः दहपूवः ॥ अथ अनेनी नः वज्रवागिनी
॥ ॥ अथ अथ हाता हननः ॥ गङ्गा ॥ कनकिकपालः खद्वागधारी ॥ ॥

उद्योगरत्न १७

अयं अयं नोडगम गानस्थितः ॥ गीय नूदन नगिनमात्रा ॥ ॥ अथ अथ ना
खद्वागगनसंस्तान ॥ अथ गामि अथ संवाहलि ॥ ॥ ॥ ॥ गङ्गा नवा ॥
अथ गङ्गा नवा ॥ अथ गङ्गा नवा ॥ गङ्गा ॥ अथ नील इतिः पिङ्गलकम ॥ ॥ ॥ अथ गङ्गा
नू कं अथ पागुधद वी ॥ अथ मानविष्णु विना ननीदवी ॥ ॥ ॥ अथ नयन
मिन्नू ॥ अथ माला ॥ अथ कनकिकपाल निना लयना ॥ ॥ अथ वर्मवकुष
न्यासी ॥ अथ वनम्बादनः सर्वाकांशा ॥ ॥ अथ सनतगी उगता नृतिः
माता ॥ अथ यि अथ माघ वज्र गीत वदित ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ अथ गङ्गा